पुणे विश्वविद्यालय, पुणे

द्वितीय वर्ष कला

हिंदी सामान्य- 2

(कहानी, काव्य एवं लेखन)

पाठ्यक्रम

(शैक्षिक वर्ष : 2014-15 से)

(प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की "मॉडल पाठ्यचर्या" के आलोक में किया गया है।)

उद्देश्य :-

1. छात्रों को हिंदी के प्रतिनिधि कहानीकारों एवं कवियों से परिचित कराना।
2. छात्रों को हिंदी कहानी एवं नई कविता की विशेषताओं से परिचित कराना।
3. छात्रों को हिंदी के कार्यालयीन एवं व्यावहारिक पत्रों के स्वरूप का ज्ञान देना।
4. छात्रों को पारिभाषिक शब्द, विज्ञापन, भेंटवार्ता/साक्षात्कार, रिपोर्ट लेखन आदि हिंदी भाषा के व्यावहारिक क्षेत्रों से परिचित कराना।
5. छात्रों को हिंदी शब्द-क्रम का ज्ञान कराना।

अध्यापन पद्धतिः

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. कहानी समीक्षा के विविध आयाम उद्घाटित करना।
3. पत्रों के नमूनों का छात्रों द्वारा संकलन।
4. वाक्य शुद्धीकरण पर आधारित वस्तुनिष्ठ परीक्षाओं का कक्षा में आयोजन।
5. दृक-श्राव्य माध्यमों/संगणक तथा इंटरनेट आदि का प्रयोग।

प्रथम सत्र

पाठ्यपुस्तकें:

1. कथा धारा : संपा. डॉ. अनिता नेरे, डॉ. अशोक धुलधुले
   प्रकाशक : जगत भारती प्रकाशन, सी-3, 77 दूरवाणी नगर, एडीए, नैनी, इलाहाबाद- 211 008, मो. 09936079157

पुणे विश्वविद्यालय, पुणे

द्वितीय वर्ष कला

हिंदी विशेष - I

(हिंदी भाषा का विकास)

पाठ्यक्रम

(शैक्षिक वर्ष : 2014-15 से)

(प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की "मॉडिल पाठ्यचर्या" के आलोक में किया गया है।)

उद्देश्यः-

1. छात्रों को भाषा की परिभाषा, विशेषताएँ तथा भाषा के विविध रूपों की जानकारी देना।
2. छात्रों को हिंदी की बोलियों तथा भाषा विकास के प्रमुख वादों से परिचित कराना।
3. छात्रों को राजभाषा हिंदी के संवैधानिक स्वरूप तथा राष्ट्रभाषा का प्रचार करनेवाली संस्थाओं से परिचित कराना।
4. छात्रों में भाषा के वैज्ञानिक अध्ययन की दृष्टि निर्माण करना।
4. भाषाविज्ञान के अंगों तथा भाषाविज्ञान की शाखाओं का परिचय कराना।
6. भाषाविज्ञान का अन्य विज्ञानों से संबंध विशद करना।
7. लिपि के स्वरूप एवं उत्पत्ति का इतिहास, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता की जानकारी देना।

अध्यापन पद्धति :-

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. प्रथम सत्र में स्वाध्याय लेखन लेना।
3. द्वितीय सत्र में आलेख लेखन तथा मौखिकी का आयोजन।
4. हिंदी की बोलियों का भौगोलिक रेखांकन एवं आलेख तैयार करना।
5. दृक-श्राव्य माध्यमों/संगणक तथा इंटरनेट आदि साधनों का प्रयोग।
6. भाषा के वैज्ञानिक अध्ययन के लिए प्रात्यक्षिकों की सहायता।
7. भाषा प्रयोगशाला में प्रयोग।
8. अतिथियों के व्याख्यान, संगोष्ठी तथा समूह चर्चा का आयोजन।
9. शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।

पुणे विश्वविद्यालय, पुणे

द्वितीय वर्ष कला

हिंदी विशेष - 2

(उपन्यास, नाट्क तथा मध्ययुगीन हिंदी काव्य)

पाठ्यक्रम

(शैक्षिक वर्ष : 2014-15 से)

(प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की "मॉडिल पाठ्यचर्या" के आलोक में किया गया है।)

उद्देश्यः-

1. हिंदी उपन्यास एवं नाटक के विविध मानदंडों के आधार पर छात्रों में समीक्षण की क्षमता निर्माण करना।
2. छात्रों की हिंदी उपन्यास एवं नाटक के आस्वादन की क्षमता विकसित करना।
3. मध्ययुगीन संत एवं भक्तों के काव्य से छात्रों को परिचित कराना।
4. मध्ययुग के प्रतिनिधि कवियों के योगदान के विविध आयामों से छात्रों को परिचित कराना।
5. साहित्य कृतियों के माध्यम से साहित्य के शिल्प एवं सौंदर्य से परिचित कराना।

अध्यापन पद्धतिः

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. प्रथम सत्र में स्वाध्याय लेखन लेना।
3. द्वितीय सत्र में आलेख लेखन तथा मौखिकी का आयोजन।
4. नाटक का छात्रों द्वारा मंचन
5. छात्रों द्वारा काव्यपाठ
6. समूह चर्चा
7. दृक-श्राव्य माध्यमों/संगणक तथा इंटरनेट का प्रयोग
8. शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन